हेरोल्ड की परी कथा

जॉनसन

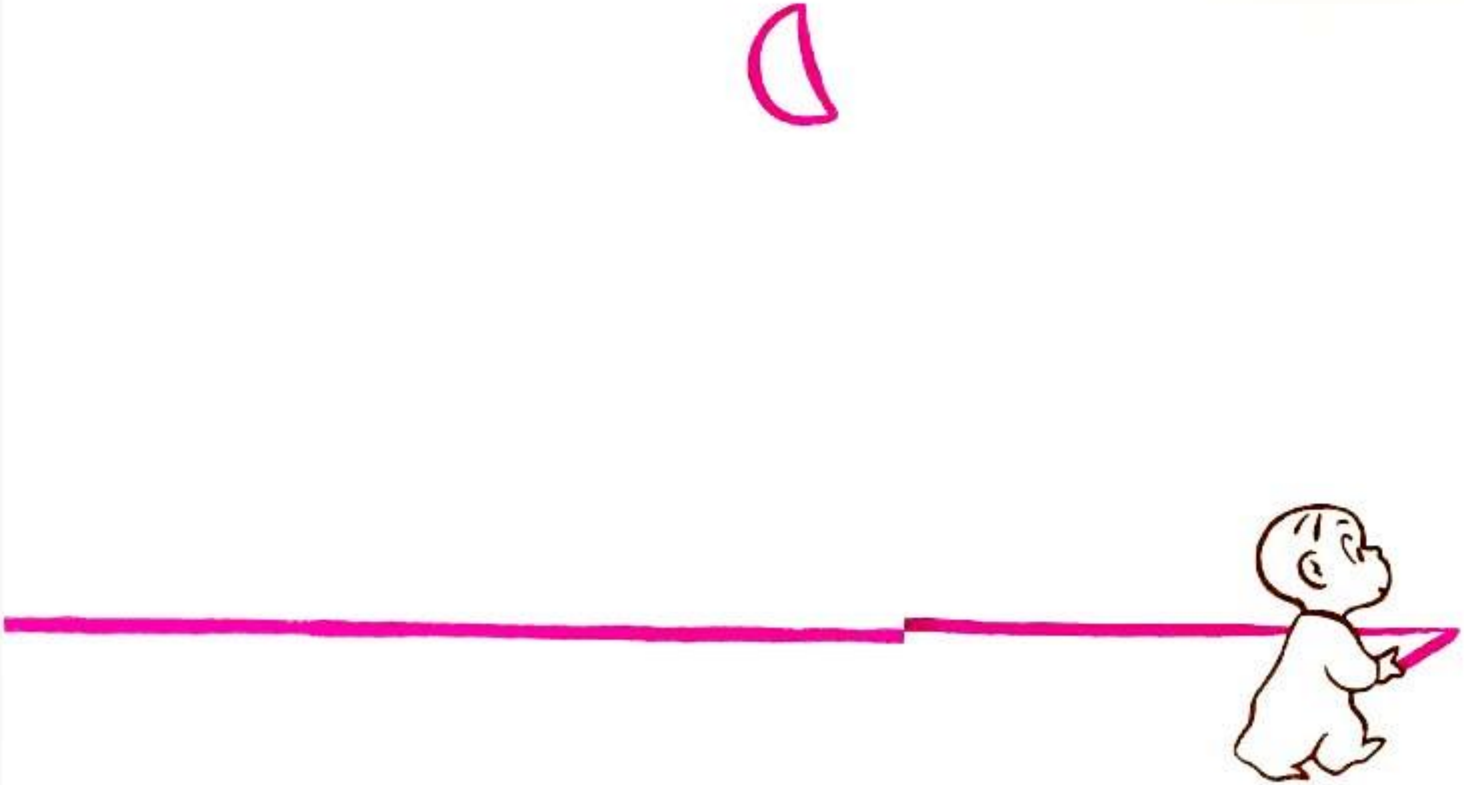

एक शाम को हेरोल्ड अपने बिस्तर से उठा.

उसने अपना बैंगनी क्रेयॉन और चंद्रमा साथ में लिया.

फिर वो एक सुन्दर-सुहाने बगीचे में टहलने निकला.

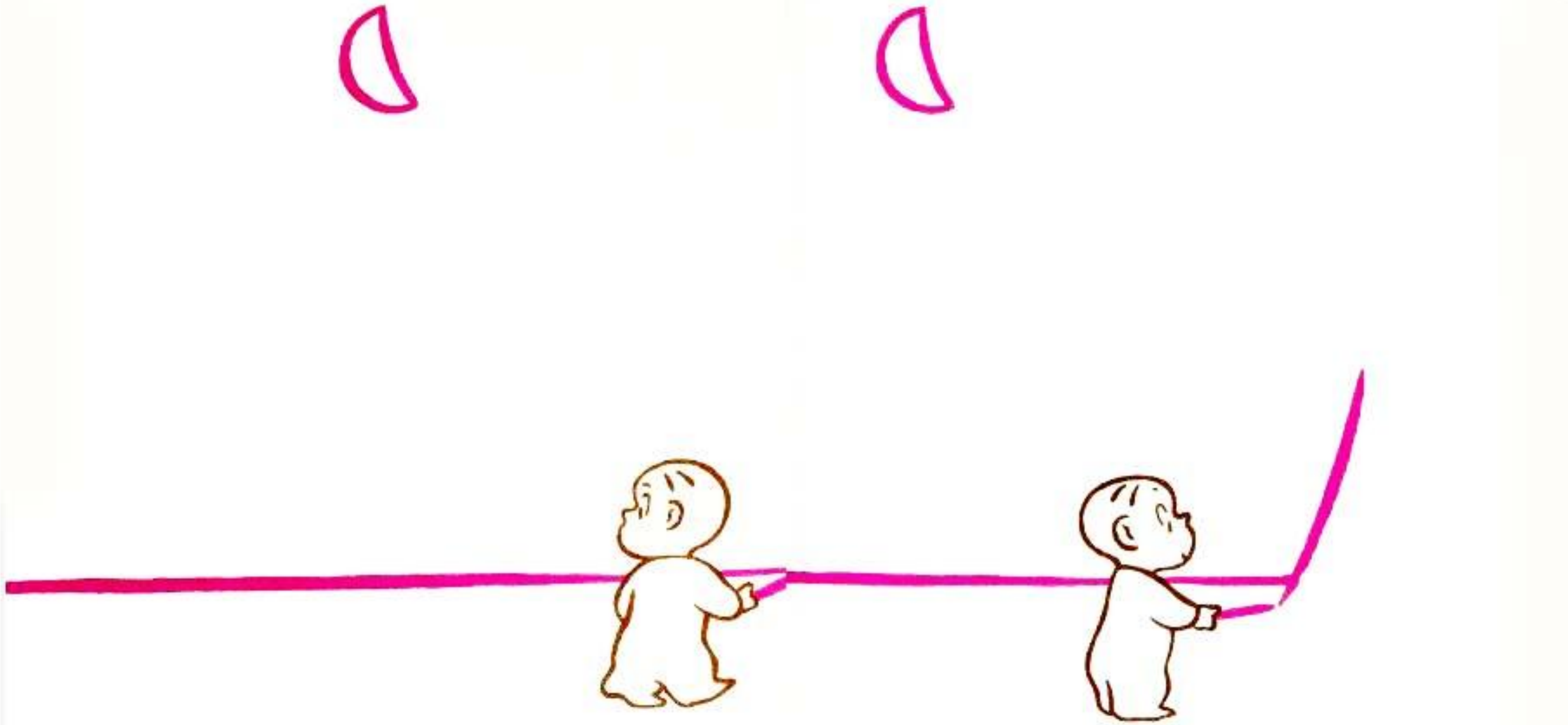

बगीचे में कुछ भी नहीं उग रहा था. अगर उसे यह
नहीं पता होता कि वो कभी एक सुंदर बगीचा था,
तो हेरोल्ड शायद उसे एक बंजर जगह समझता.

बगीचे की ऐसी हालत क्यों थी, यह जानने के लिए कि
हेरोल्ड ने राजा से पूछने का फैसला किया.

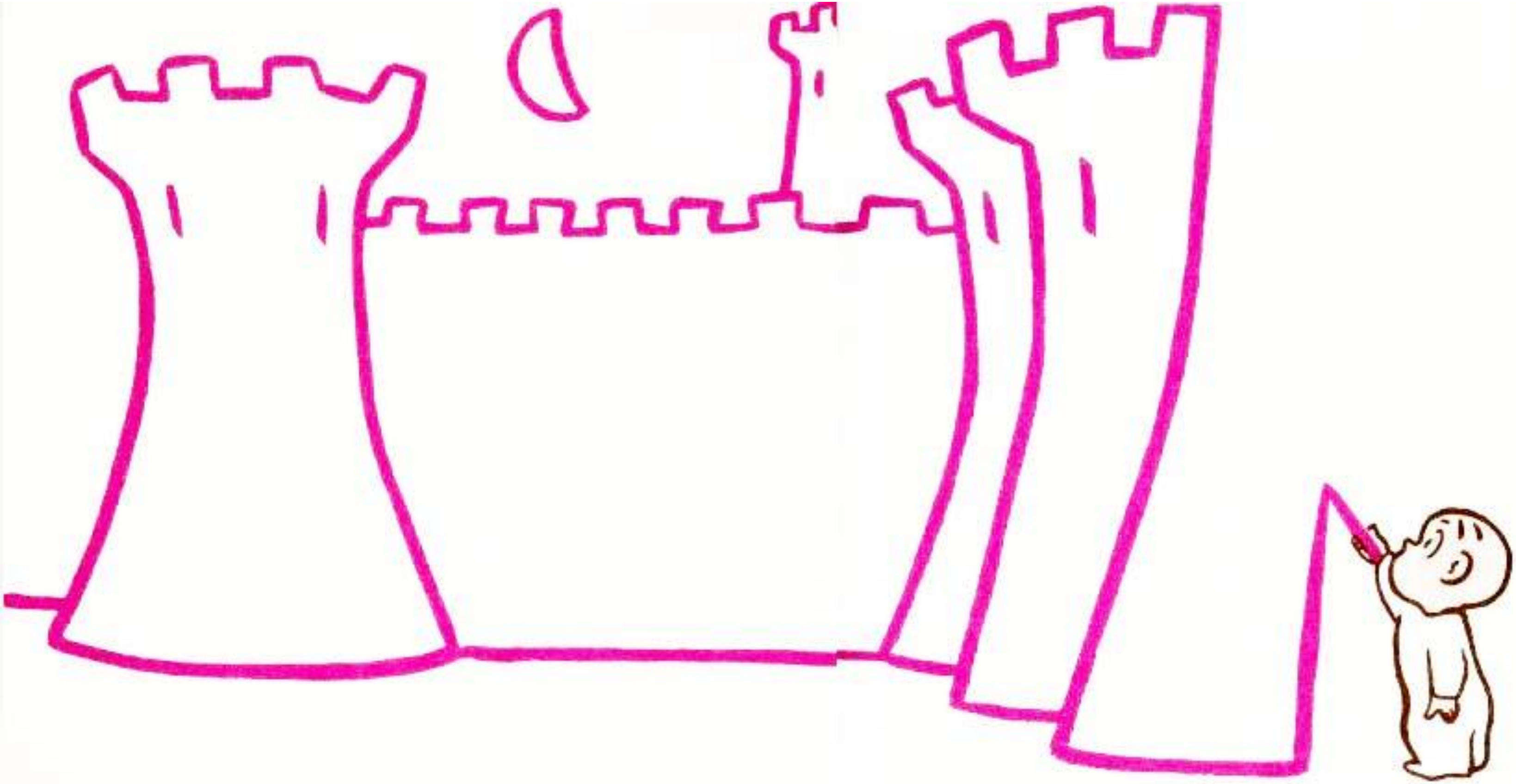

राजा बड़े महल में रहता था. हेरोल्ड को यह सुनिश्चित करना था कि महल राजा की हैसियत के हिसाब से काफी आलीशान हो.

हेरोल्ड किसी भी राजकुमार, मंत्री या दरबारी से बात करके अपना समय बर्बाद करना नहीं चाहता था.

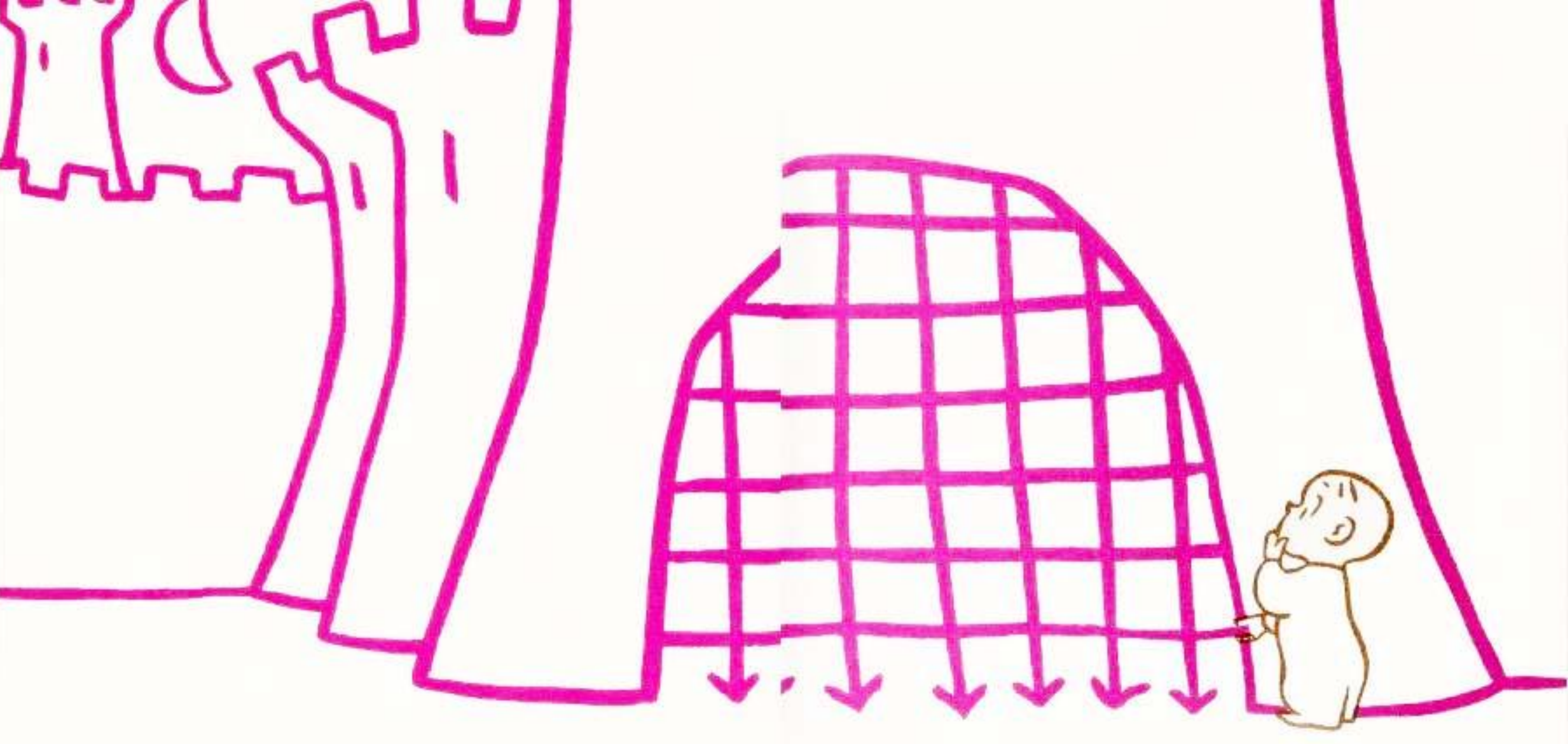

यह रहा राजा का महल. उसमें ऊंची मीनारें थीं और चारों तरफ एक खाई थी. खाई के ऊपर एक गेट था जो उन लोगों को दूर रखता था जिनसे राजा नहीं मिलना चाहता था.

लेकिन जब खाई के ऊपर का गेट बंद हुआ तो उसने हेरोल्ड को भी महल के बाहर ही रखा.

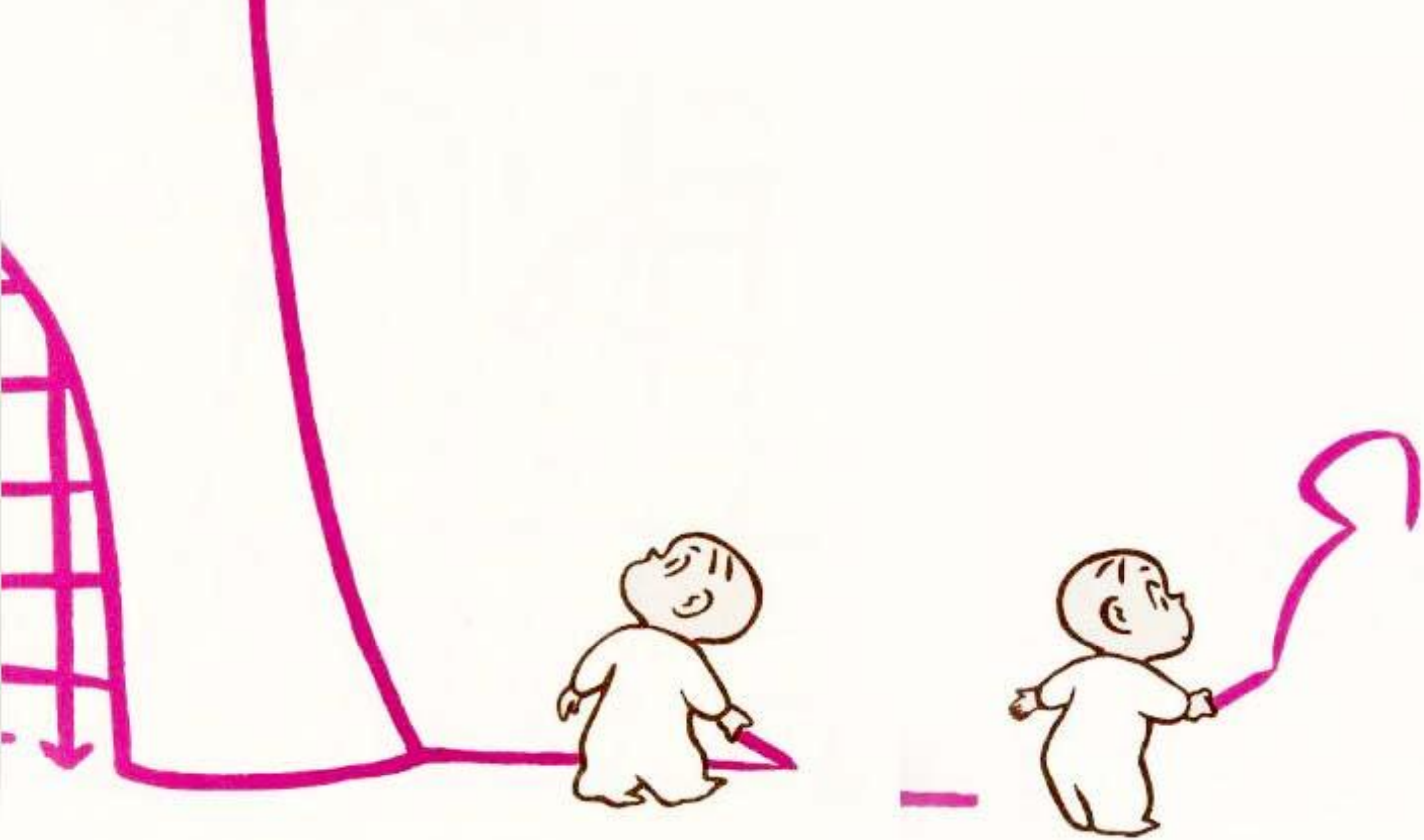

हेरोल्ड, बहुत चीखा-चिल्लाया.
लेकिन गेट नहीं खुला.

वो महल की दीवार के पास सुन्दर
बगीचे के किनारे-किनारे चला - तभी
उसे अपने बैंगनी क्रेयॉन की याद आई.

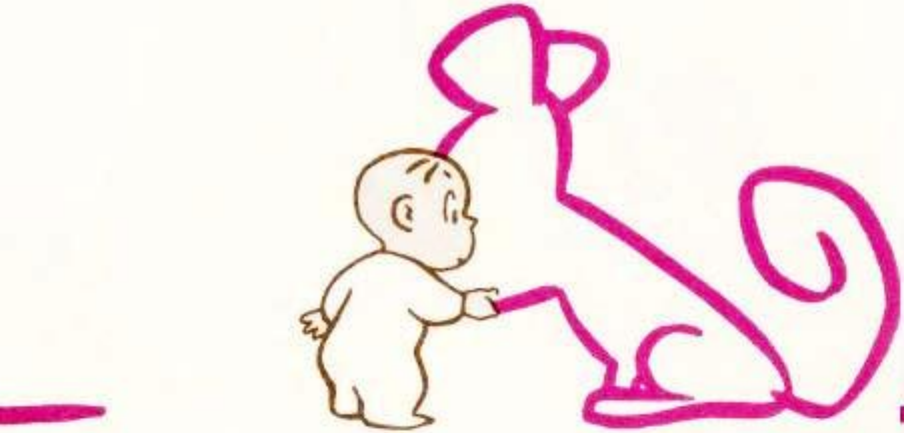

छोटे चूहे से भी कोई छोटा जीव
महल के अंदर जाने में सक्षम होगा.

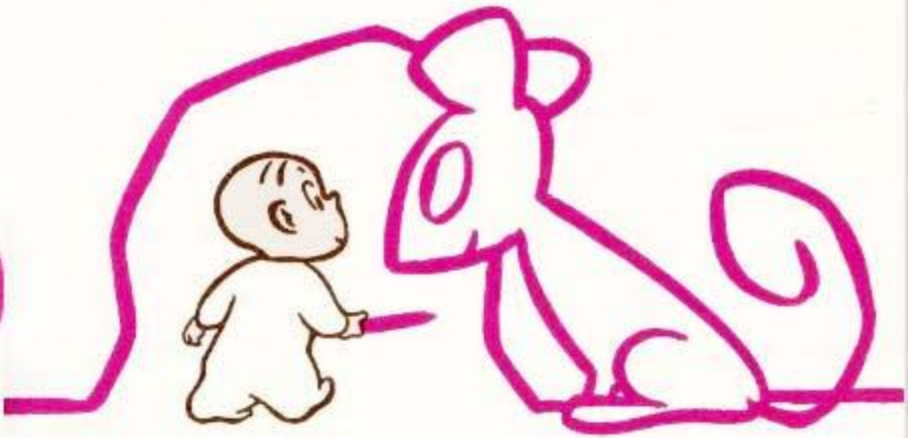

हेरोल्ड बिना झुके उस छोटे
चूहे के बिल में घुस गया.

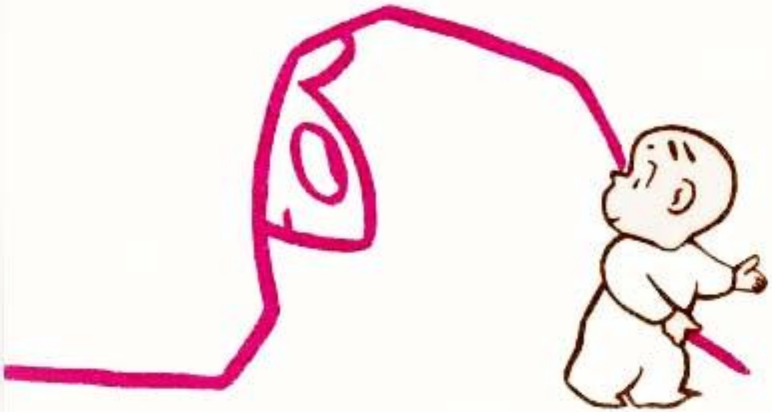

वो चूहे के बिल में से होकर महल में दाखिल हुआ. उसने चूहे को भी महल में आमंत्रित किया, लेकिन चूहे ने बाहर रहना ही पसंद किया.

जब हेरोल्ड ने विशाल महल को गौर से देखा तो उसे अपना आकार बहुत छोटा लगा.

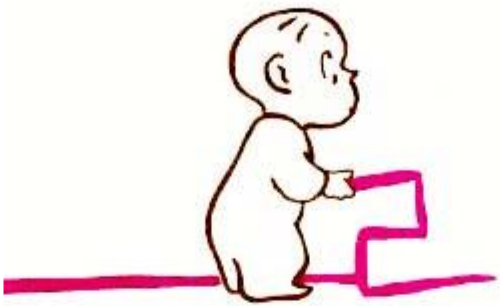

शायद राजा ऐसे व्यक्ति पर अधिक ध्यान न दे
जो चूहे से भी छोटा हो. इसलिए हेरोल्ड ने फिर
से अपने बैंगनी क्रेयॉन का इस्तेमाल किया.

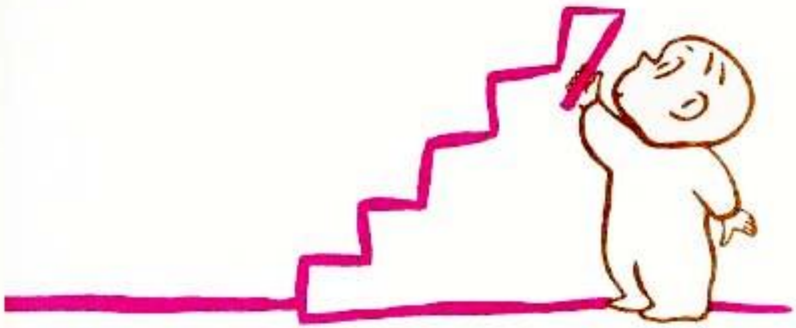

उसने यह सुनिश्चित किया कि वो साढ़े
चार सीढ़ियों जितना ऊंचा हो,
जो वाकई में उसकी सही ऊँचाई थी.

फिर वो राजा की तलाश
में सीढ़ियों पर चढ़ा.

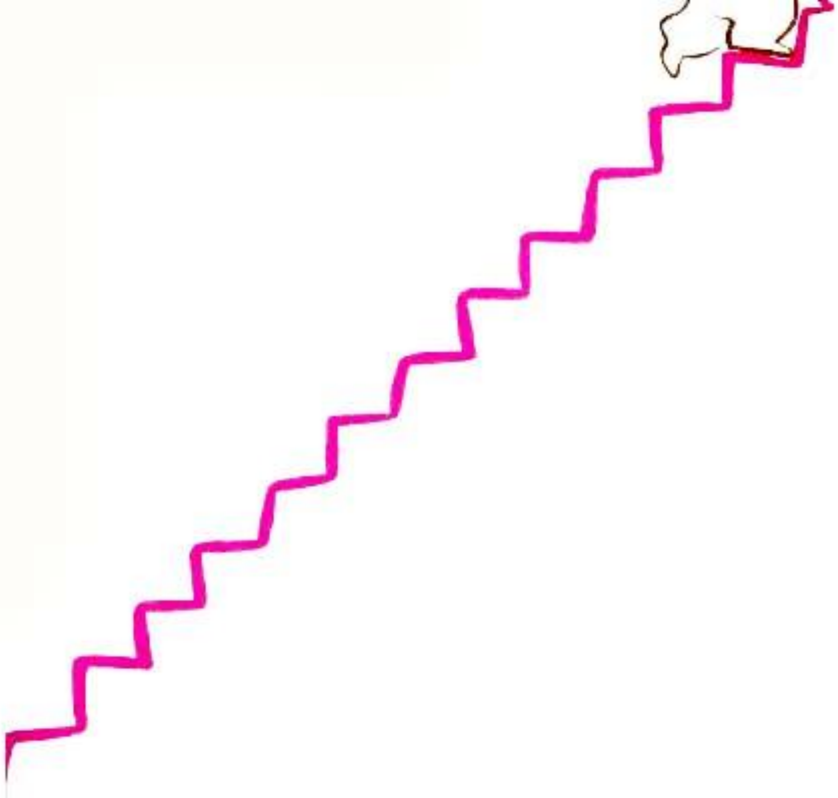

वो सीढ़ियां चढ़ता गया, चढ़ता गया. अंत
में वो इतना थक गया कि और सीढ़ियां
चढ़ने का उसमें दम ही नहीं बचा.

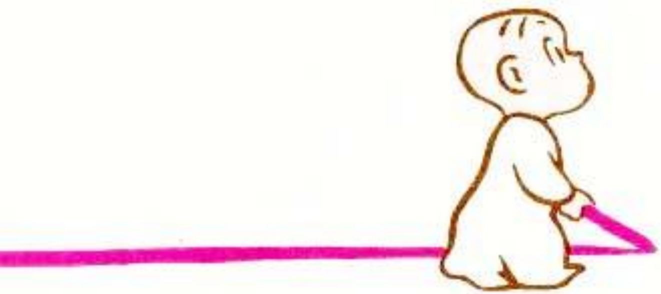

पर सौभाग्य से अब कोई सीढ़ी नहीं बची थी.
क्योंकि वो अब सबसे ऊपरी सीढ़ी पर था.

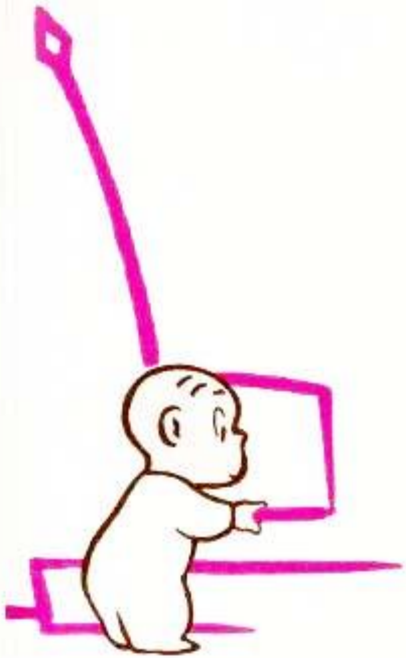

वो अभी भी राजा को ढूंढ नहीं पाया. लेकिन उसे
इतना याद था कि राजा सिंहासन पर बैठता था.

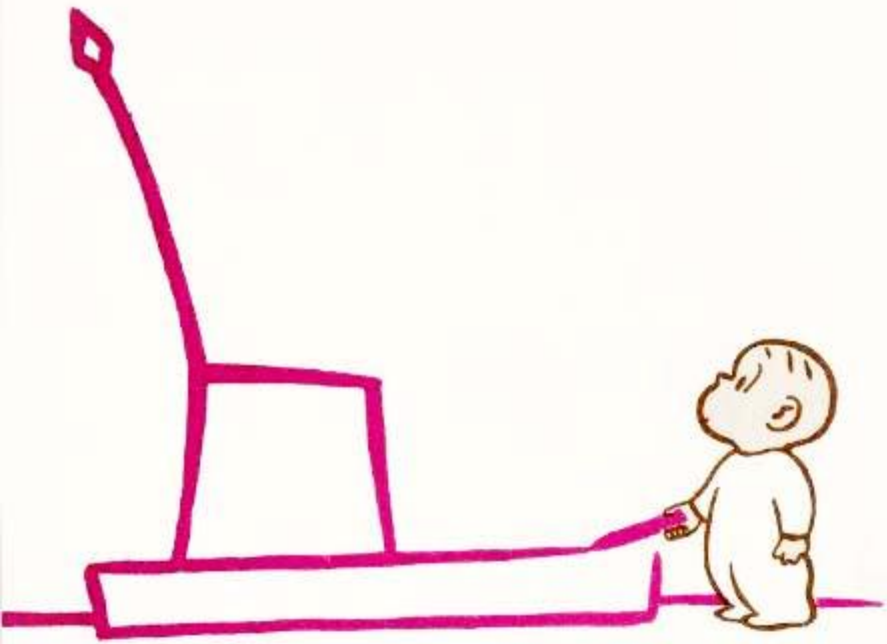

राजा का सिंहासन बहुत आरामदेय लग रहा था. हेरोल्ड ने सोचा कि अगर वो कुछ मिनट सिंहासन पर आराम करे तो राजा उसका बुरा नहीं मानेंगे.

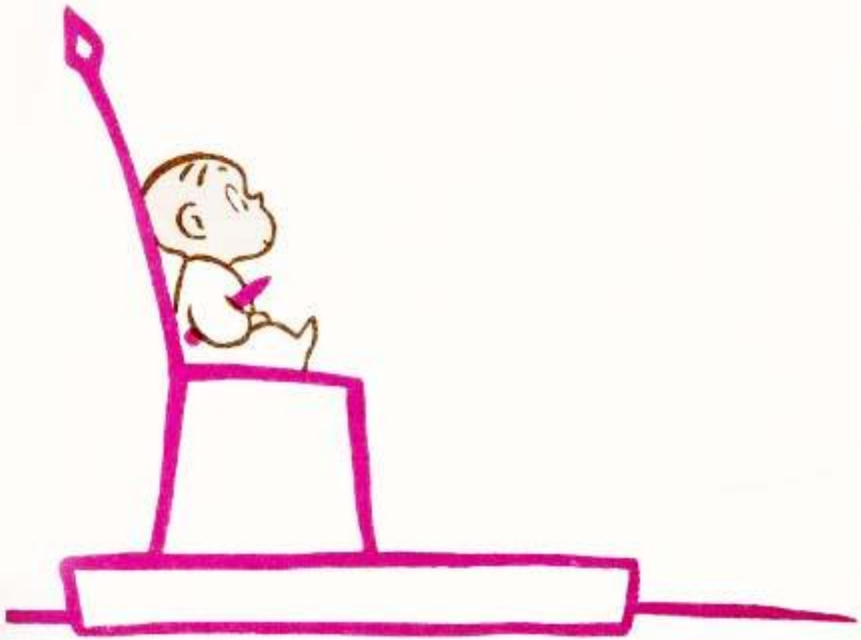

फिर हेरोल्ड सिंहासन पर बैठा. अगर मैं कुछ देर के लिए राजा का मुकुट पहनूं तो कैसा रहेगा?

फिर उसने राजा का मुकुट पहना.

थोड़ी देर के लिए उसे ठीक लगा. लेकिन फिर हेरोल्ड को मुकुट बहुत भारी लगने लगा.

इसलिए हेरोल्ड ने मुकुट को
राजा के सिर पर रख दिया.

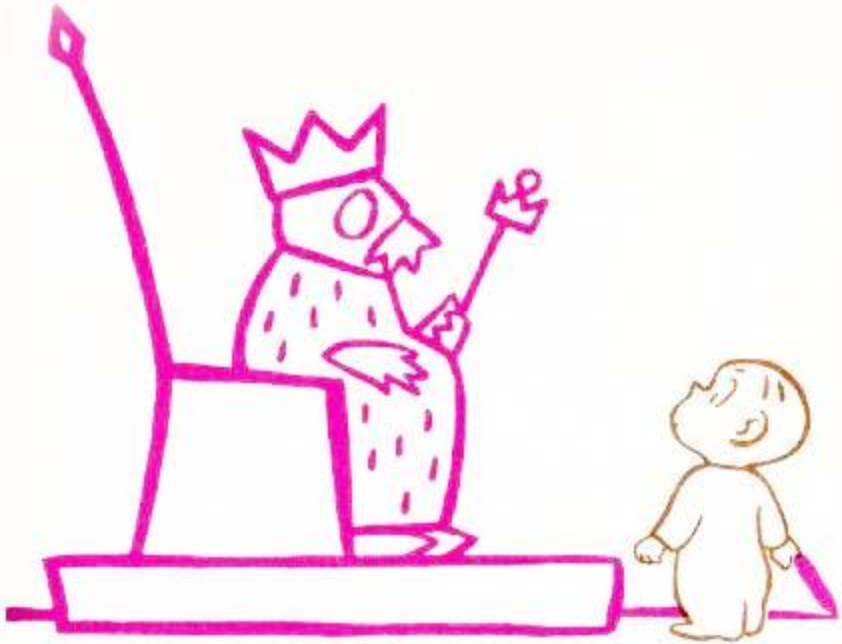

हेरोल्ड ने मुकुट के लिए राजा को धन्यवाद दिया.
हेरोल्ड ने देखा कि राजा काफी उदास दिख रहा था
- शायद उजड़े हुए बगीचे के कारण.

हेरोल्ड ने राजा से पूछा कि क्या उस परेशानी का कारण कोई चुड़ैल या राक्षस था. राजा को खुद असलियत पता नहीं थी. वो बड़ा दुखी और असहाय दिख रहा था.

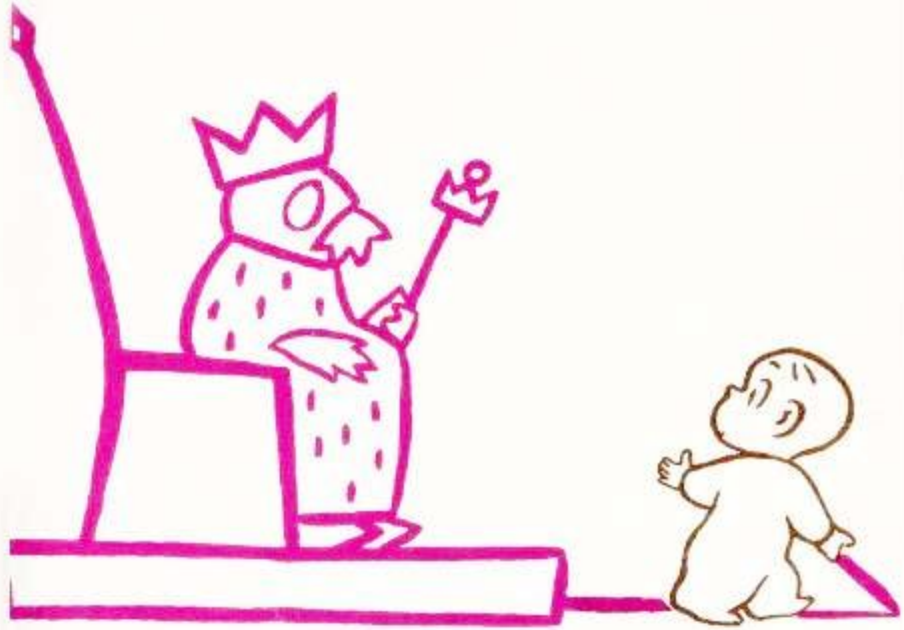

जाहिर है कि राक्षस या चुड़ैल — दोनों में से कोई उसके पीछे ज़रूर था, और वो अदृश्य था. लेकिन हेरोल्ड ने कहा कि राजा उसके बारे में बिल्कुल चिंता न करे.

उसने अदृश्य चुड़ैल या राक्षस को खोजने के लिए
अपने बैंगनी क्रेयॉन का इस्तेमाल किया.
फिर अचानक उससे दीवार में एक छेद हो गया.

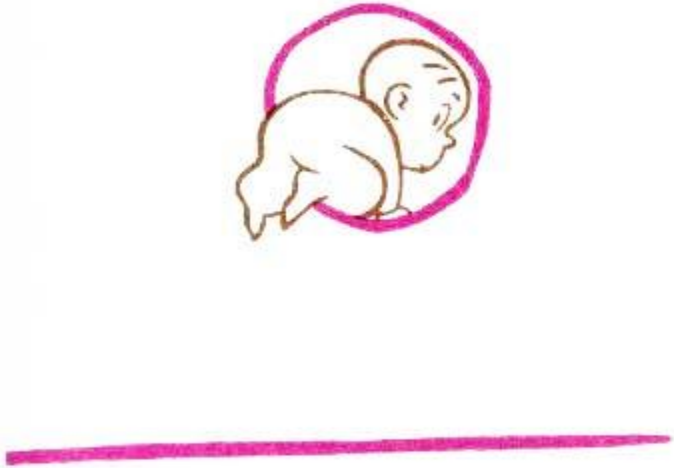

इस दुर्घटना से हेरोल्ड कुछ शर्मिंदा ज़रूर हुआ.
लेकिन वो छेद महल में से बाहर निकलने का सबसे
आसान रास्ता था. हेरोल्ड उसमें से बाहर निकला.

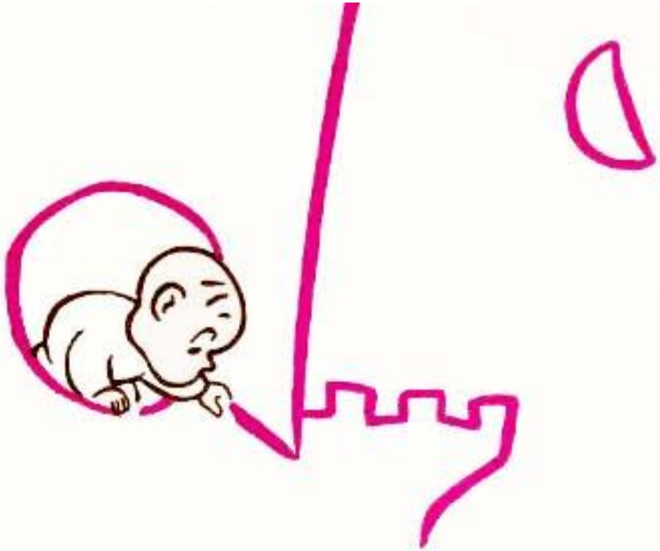

जब उसने छेद के दूसरी तरफ से नीचे देखा, तो उसे
महसूस हुआ कि वो कितनी अधिक ऊंचाई पर था.

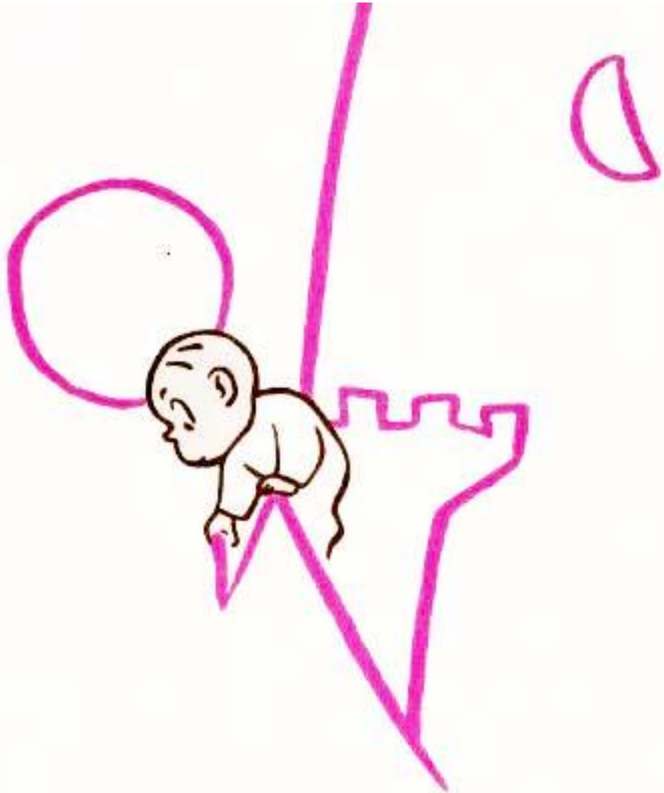

उसे नीचे उतरने के लिए कोई बहुत ऊँची
चीज़ चाहिए थी - एक मीनार जैसी.

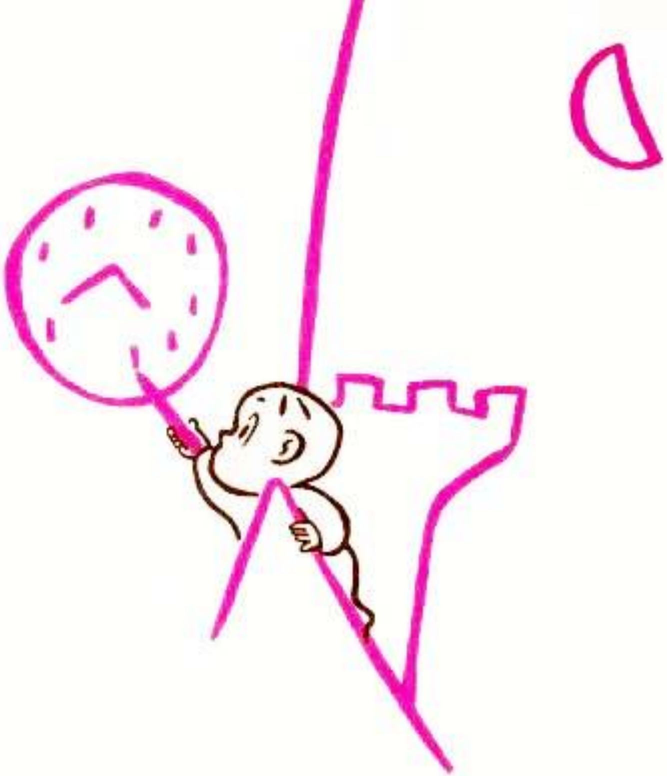

महल की दीवार के छेद को भरने के लिए, हेरोल्ड ने उसमें एक सुंदर घड़ी फिट की. समय को देखकर हेरोल्ड हैरान हुआ. उसे बहुत देर हो गई थी.

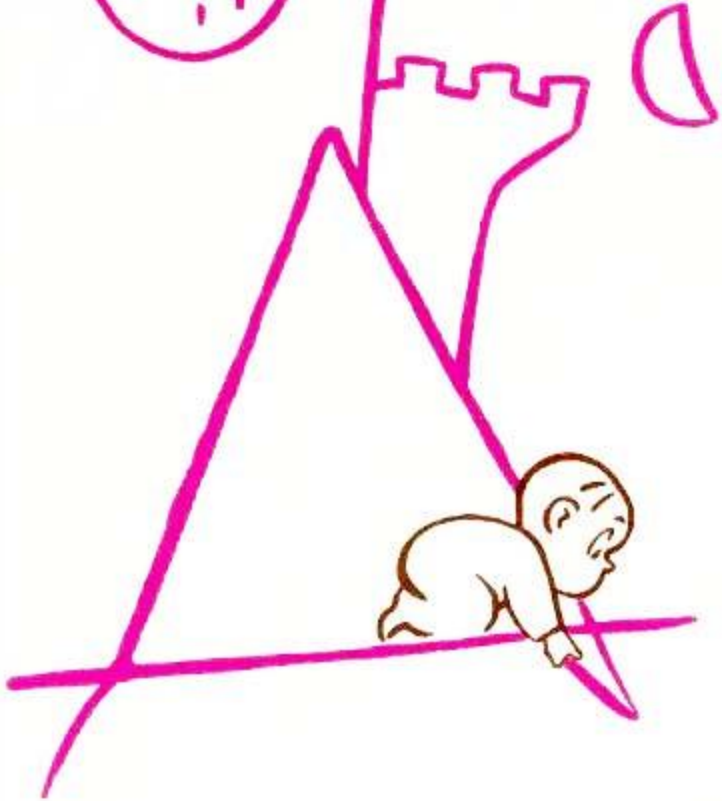

उस अदृश्य चुड़ैल या राक्षस को तुरंत खोजने के लिए, वो मीनार से नीचे की ओर सरका.

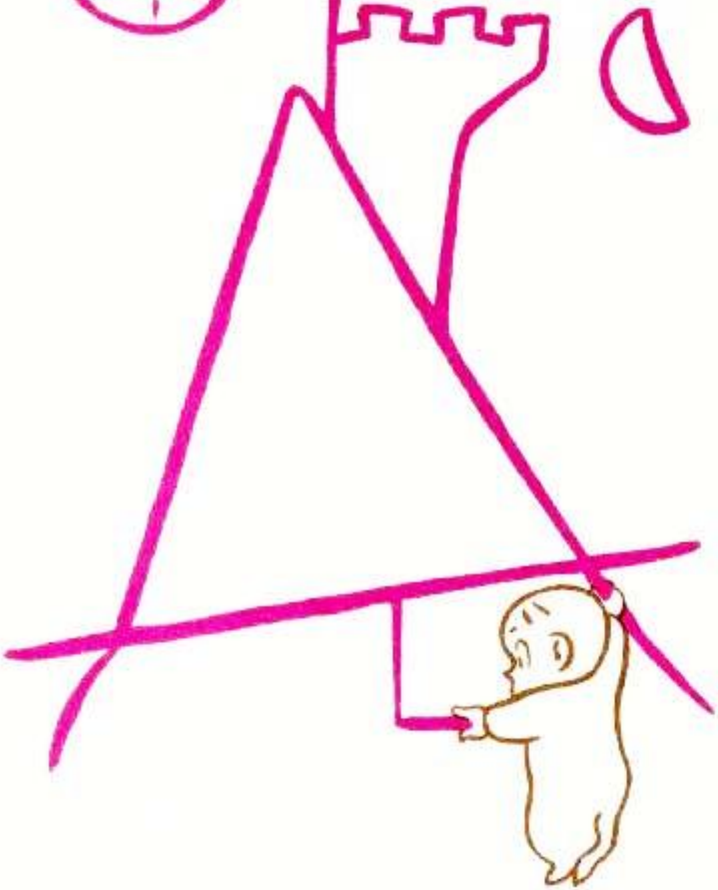

पर वो एक मीनार नहीं थी.

वो एक नुकीली टोपी थी.

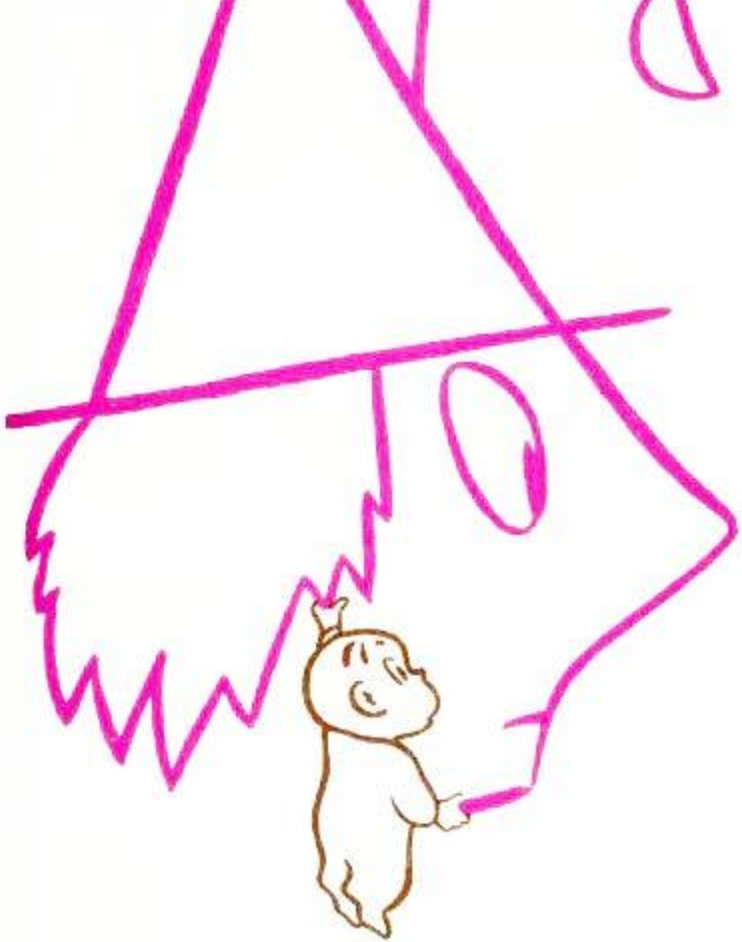

अच्छा, तो वो एक विशाल चुड़ैल थी!!

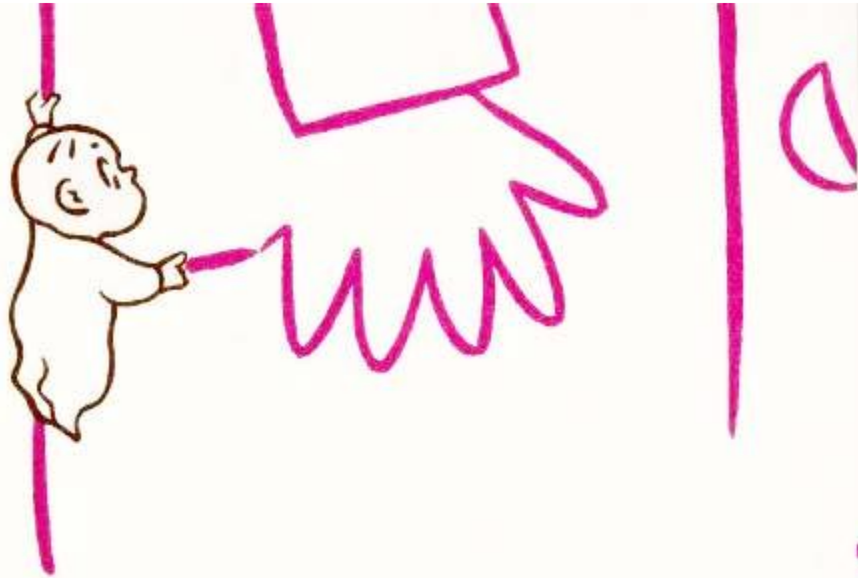

बैंगनी क्रेयॉन से सब स्पष्ट हो गया –
वो एक अदृश्य विशाल चुड़ैल थी.
कोई आश्चर्य नहीं कि उसकी वजह से सुन्दर
बगीचे में कुछ भी नहीं उग रहा था.

वहां भला कुछ कैसे उगता? हेरोल्ड ने खुद से
कहा, जब वहां की मिट्टी को विशाल चुड़ैल
अपने भारी पैरों से लगातार कुचल रही थी.

हेरोल्ड को अब समस्या समझ में आई. उसे बस
चुड़ैल को सुन्दर बगीचे से बाहर भगाना था.

मच्छर! हेरोल्ड जानता था कि मच्छर
किसी को भी बगीचे से बाहर भगा सकते थे.

मच्छरों ने चुड़ैल को बहुत जल्द ही बगीचे से बाहर भगा दिया. मच्छर हेरोल्ड को भी बगीचे के बाहर भगा रहे थे.

मच्छरों से छुटकारा पाने के लिए हेरोल्ड ने धुआं पैदा किया.

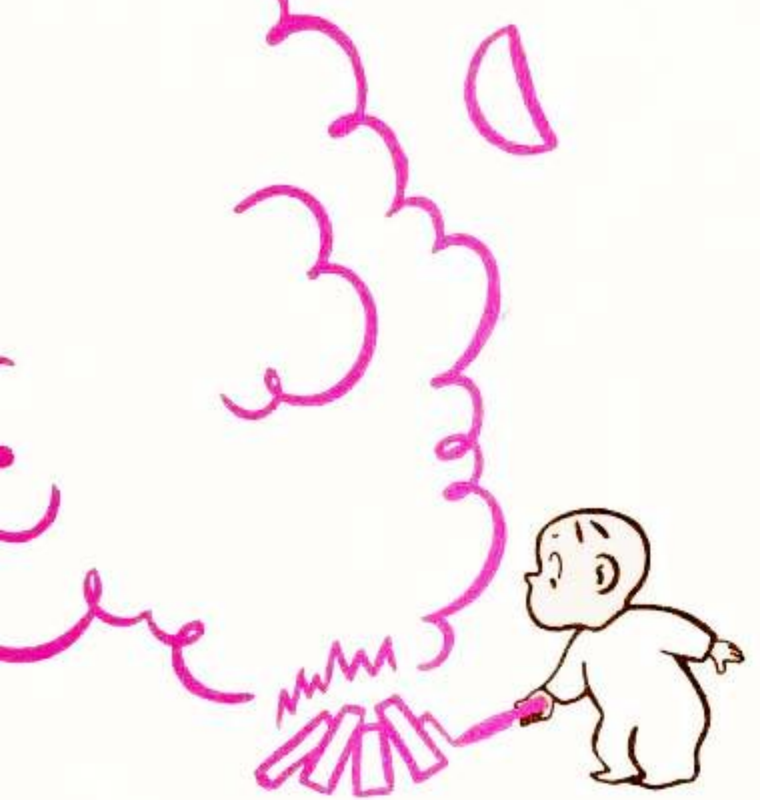

फिर उसे एक पुरानी बात याद आई.
उसने सुना था कि जहां धुआं होता है
वहां अक्सर आग भी होती है.

आग बुझाने के लिए हेरोल्ड ने सबसे पहले फायर-ब्रिगेड की
गाड़ी के बारे में सोचा. लेकिन बाद में उसने बारिश बनाने का
फैसला किया. क्योंकि बारिश करना काफी आसान थी.

बारिश से सब कुछ गीला हो गया.
हेरोल्ड भी पूरी तरह भीग गया. लेकिन,
बारिश फूलों के लिए अच्छी साबित हुई.

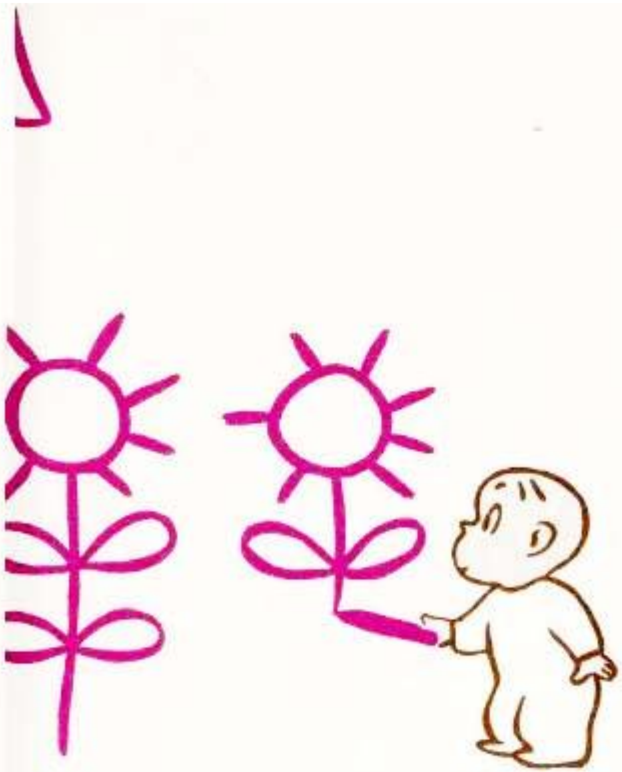

हेरोल्ड का सोच सही निकला.
जल्द ही बगीचे में फूल खिलने लगे.

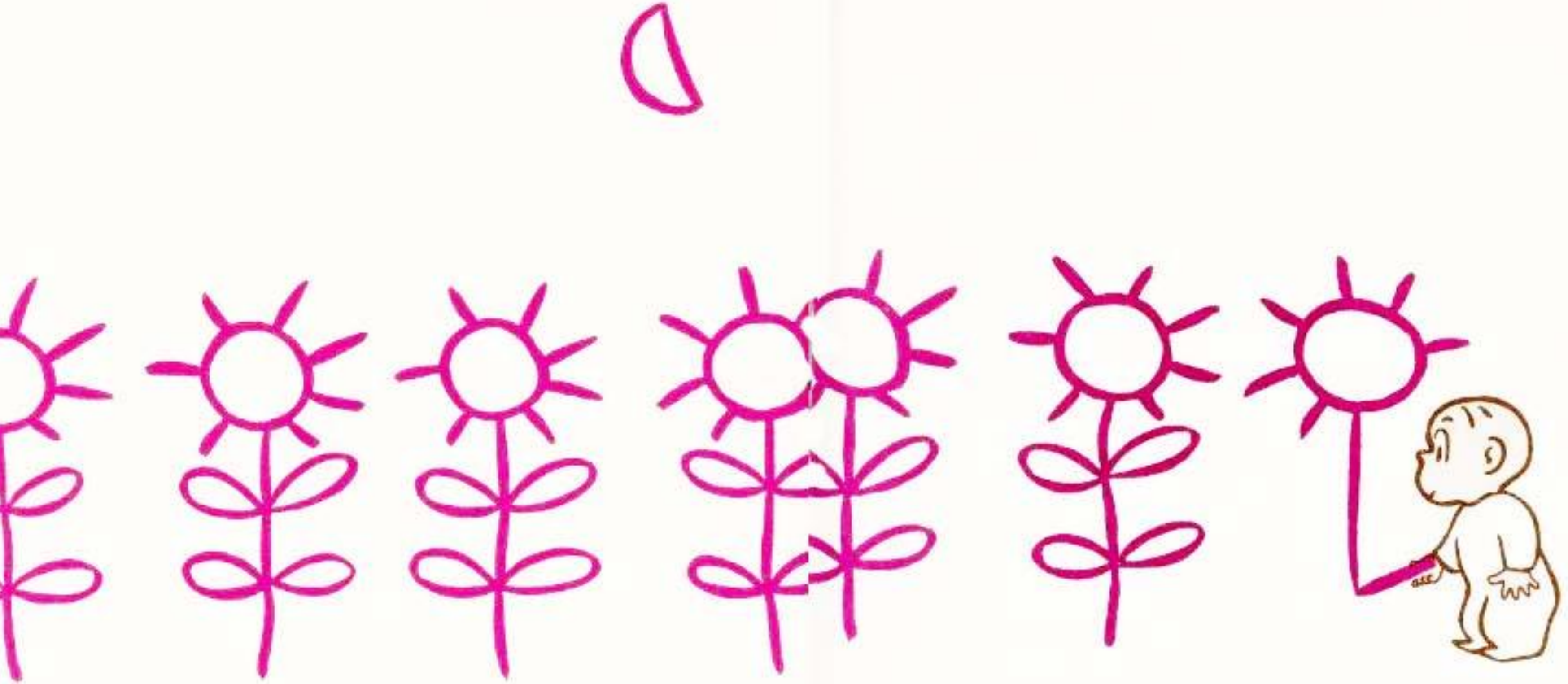

बगीचे के चप्पे-चप्पे में खूबसूरत फूल उगने लगे. बगीचे में इतने सारे रंग-बिरंगे फूल थे कि हेरोल्ड के लिए उन्हें गिनना संभव नहीं था.

हेरोल्ड ने सोचा कि राजा जब सुबह महल से बाहर आएगा तो उन फूलों को देखकर वो कितना खुश होगा.

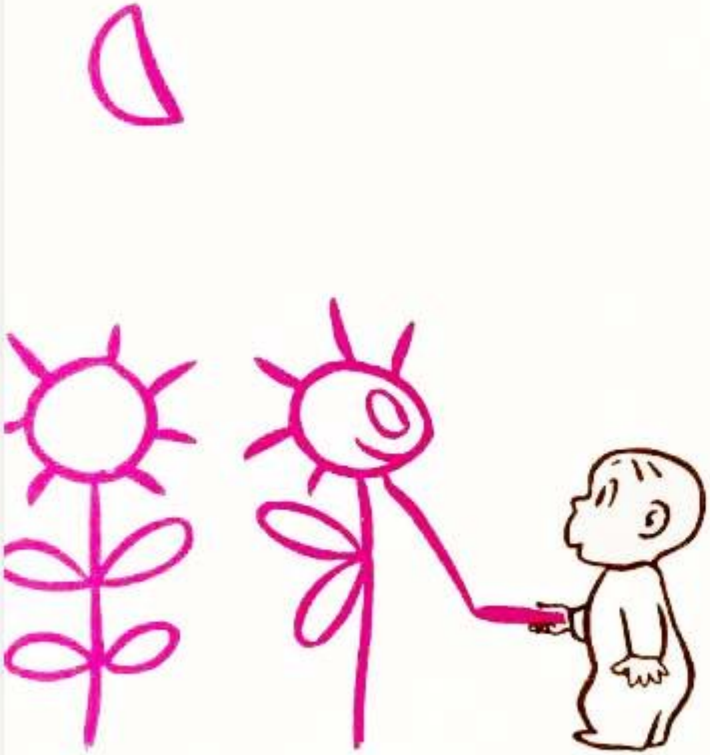

फिर आश्चर्यजनक रूप से, आखिरी फूल,
कोई फूल नहीं - बल्कि एक सुंदर परी निकली.

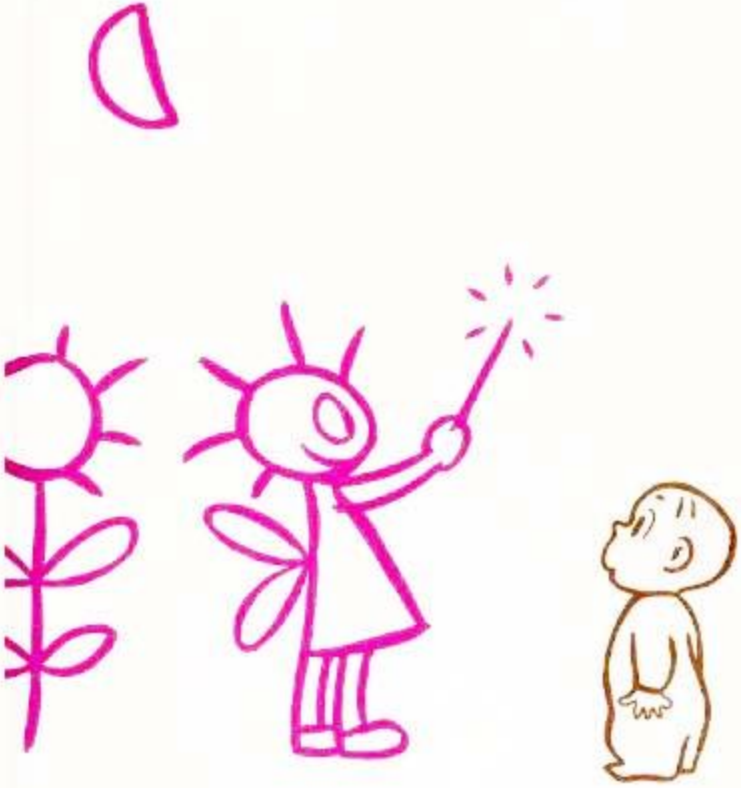

उस परी ने हेरोल्ड को देखकर अपनी जादू
की छड़ी हिलाई और उसने हेरोल्ड की सभी
इच्छाएं पूरी होने का वरदान दिया.

लेकिन उस समय हेरोल्ड किसी ख़ास इच्छा के बारे में सोच नहीं सका. लेकिन, विनम्रता के नाते, हेरोल्ड ने अपनी एक इच्छा व्यक्त की. उसने परी से कहा कि वो बाद में उसका इस्तेमाल करेगा.

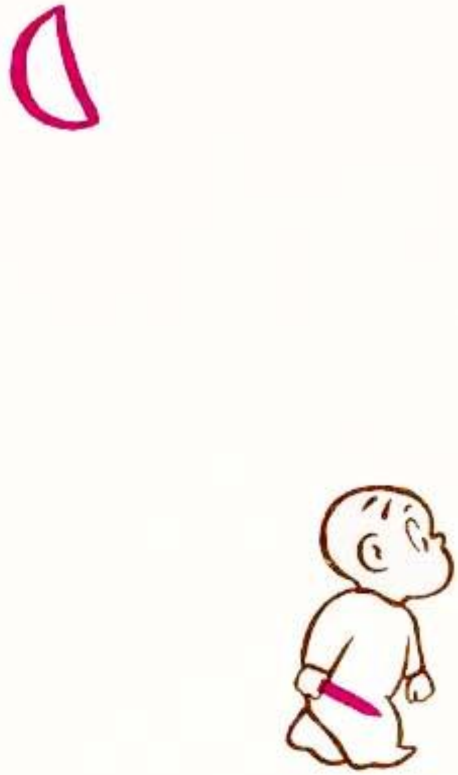

घर जाते हुए हेरोल्ड यह सोचने लगा कि वो इच्छा किसी समय ज़रूर उसके काम आएगी.

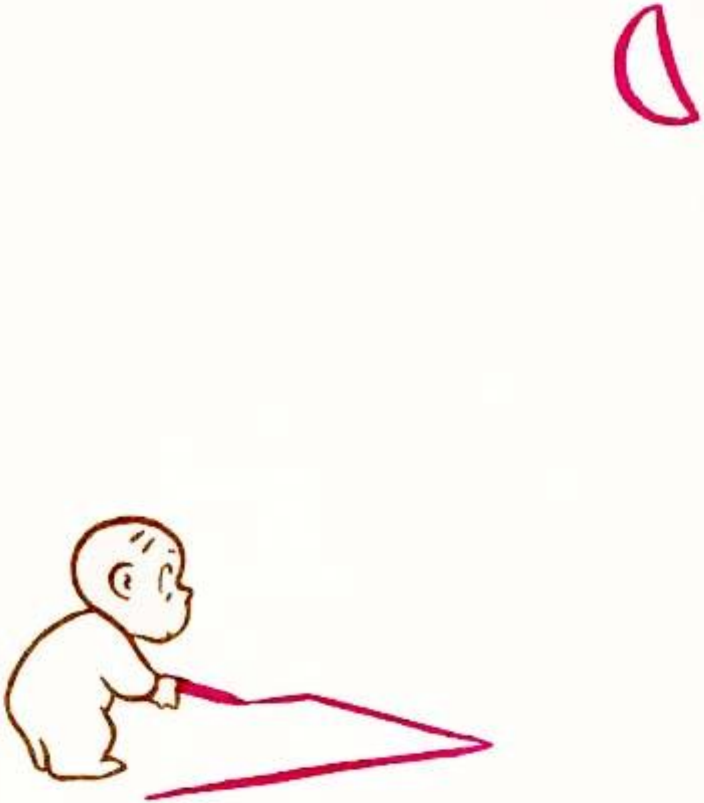

इतनी उत्तेजना के बाद हेरोल्ड ने अचानक
खुद को बेहद थका हुआ महसूस किया.
वो कुछ देर आराम करने के लिए रुका.

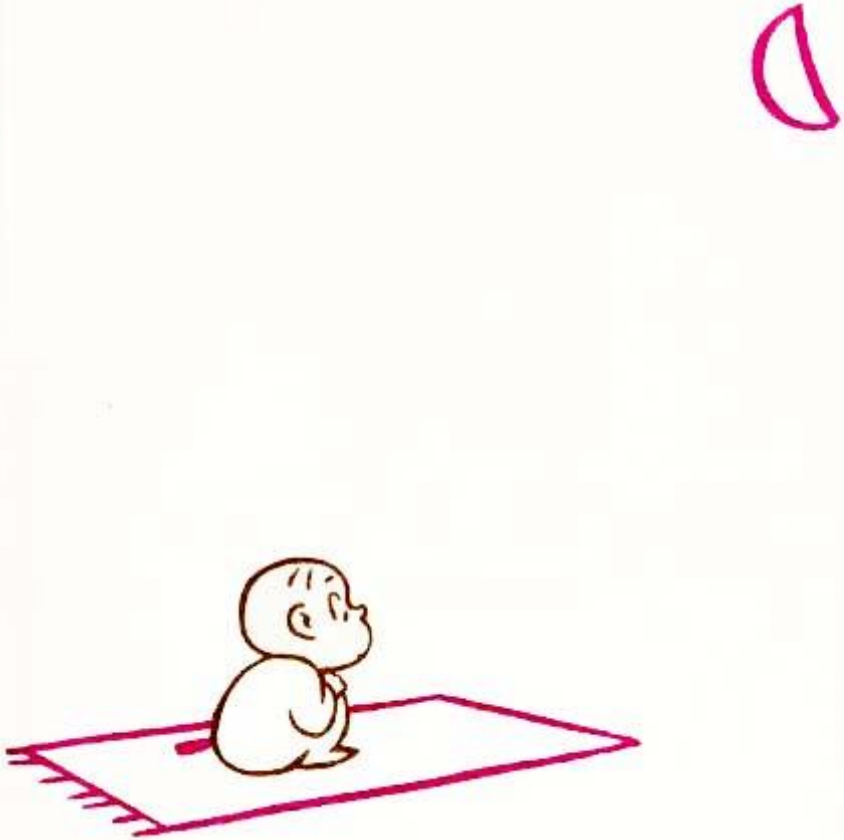

वो एक छोटे से गलीचे पर बैठा
क्योंकि जमीन अभी भी बारिश से
कुछ गीली थी. फिर उसने चाहा -

- चाहा कि गलीचा एक उड़ने वाला कालीन बन जाए. तुरंत हेरोल्ड को लगा जैसे कालीन हवा में ऊपर उठ रहा हो.

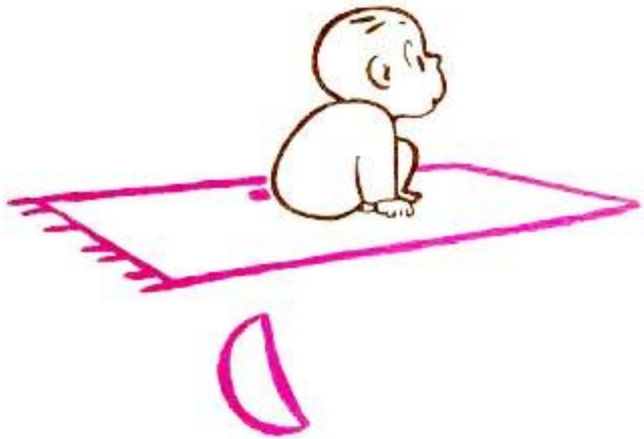

कालीन ने बहुत तेज और ऊंची उड़ान भरी.

वो इतनी तेजी से उड़ा कि जल्द ही उसने चंद्रमा को अपने पीछे छोड़ दिया. फिर हेरोल्ड को ध्यान आया कि वो कालीन को रोकना नहीं जानता था, यहां तक कि वो उसे धीमा तक नहीं कर सकता था.

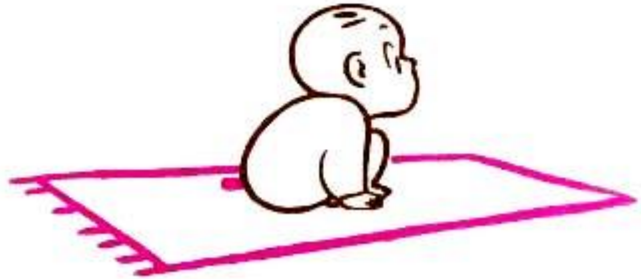

काश उसने परी से दो इच्छाएं मांगी होतीं, जिससे वो इस मौके पर कालीन के उतरने की कामना कर सकता.

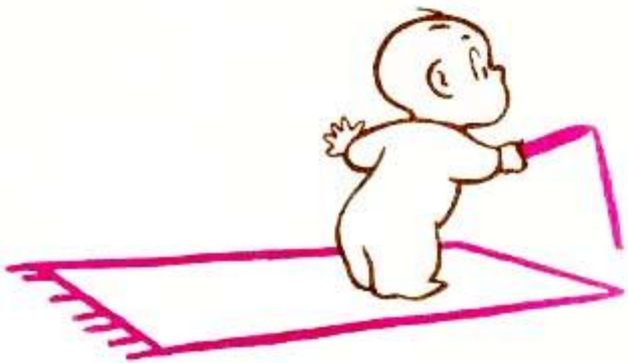

लेकिन हेरोल्ड का बैंगनी क्रेयॉन
अभी भी उसके पास था.

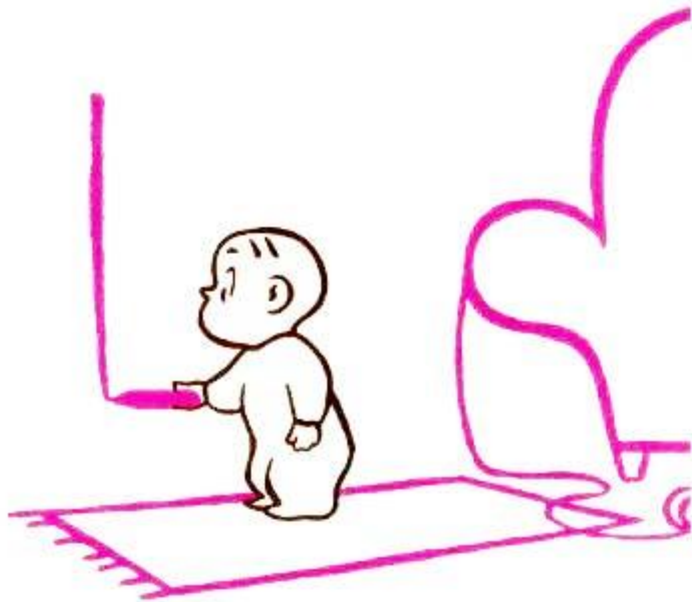

हेरोल्ड उस उड़ने वाले कालीन से सीधे अपने घर के लिविंग रूम में जाकर उतरा, जहाँ एक ऊंची कुर्सी पर बैठी उसकी माँ बुनाई कर रही थीं.

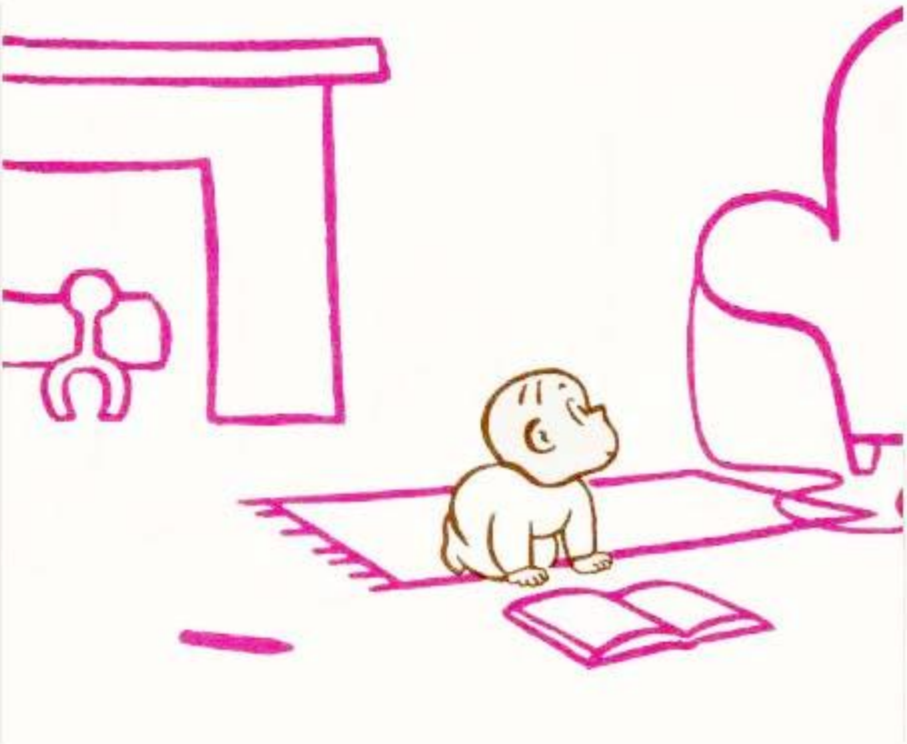

फिर बिस्तर में सोने से पहले हेरोल्ड ने
माँ से एक कहानी पढ़ने को कहा.

समाप्त